BA-3, Paper-5 (Public Administration)
Topic - लोक प्रशासन और राजनीति विज्ञान में संबंध
Date - 16.07.2020.
Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sci.), RMC, VKSU

लोक प्रशासन तथा राजनीति विज्ञान के बीच सम्बंध का अवलोकन करते समय निम्न दो दृष्टिकोणों के विचार आते हैं-

1. प्रथम दृष्टिकोण - जिसमें PA और रा वि में मौलिक अंतर बताते हैं। दोनों विषय अलग-अलग है।
2. द्वितीय दृष्टिकोण - दोनों विषय अलग होते हुए भी एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। दोनों में गहरा संबंध है।

1. यह परंपरागत दृष्टिकोण है। वुडरो विल्सन, ब्लंशली, गुड-नाउ इसके समर्थक हैं। ब्लंशली के अनुसार 'प्रशासन एक तकनीकी अधिकारी का क्षेत्र है एक राजनीतिज्ञ का नहीं।' राजनीति का कार्य लोक नीति का निर्माण करना है, प्रशासन का काम लोक नीति को लागू करना है। रा·वि विधानपालिका, राजनीतिक दल तथा दबाव समूहों तक सीमित है जबकि PA सरकार की कार्यपालिका से संबंधित है। दोनों व्यवसाय के रूप में भी अलग-अलग है। राजनीति वि. नेताओं का कार्य क्षेत्र प्रशासन प्रशासक का जिसमें वे प्रशिक्षित होते हैं।

2. यह आधुनिक दृष्टिकोण है। राजनीति और प्रशासन प्रकाश और छाया की तरह साथ-साथ चलते हैं। यदि राजनीति वि. द्वारा नीतियों का निर्धारण न हो तो प्रशासन का पथभ्रष्ट होने का भय है।
   1. सामान्य उद्देश्य - दोनों का उद्देश्य जनता के लिए कार्य करना।
   2. राजनीति की सफलता प्रशासन के सहयोग पर निर्भर करता है।
   3. मंत्रियों को प्रशासक प्रभावित करते है।
   4. प्रशासक मंत्रियों को सलाह देते हैं।
   5. स्थानीय प्रशासन तथा अंतर्राष्ट्रीय राजनीति दोनों के मध्य घनिष्ठ संबंध स्थापित करते हैं।

Scanned with CamScanner

दोनों विषयों के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। राजनीति लोक प्रशासन को नियंत्रित करती है और PM राजनीति को दिशा निर्देश करती है। दोनों के कार्य भले ही भिन्न हों परंतु उनकी परस्पर निर्भरता कायम रहती है।

डा० प्रभुदत्त शर्मा के अनुसार दोनों विषयों की घनिष्टता निम्न तीन तथ्यों से स्पष्ट है:-

1. राजनीति व्यवस्था प्रशासन के लिए कोई बाह्य या असंगत चीज नहीं है। राजनीति वि० समाज का मूल ढांचा प्रस्तुत करती है और प्रशासन इसी ढांचे में उसके द्वारा निर्धारित संगत भूमिका निभाने के लिए ~~लो०प्र०~~ रा० वि० का एजेंट मात्र है।
2. जो लो प्र अपने आपको रा वि. से अलग मानता है वह राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति का विरोध करता है।
3. सभी राजनीतिक व्यवस्थाएं अपने अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्था बनाती है। जैसे:- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का अध्ययन, भारतीय प्रशासकीय व्यवस्था का ऐतिहासिक विकास संविधान सभा में हुए वाद विवाद और आधारभूत संवैधानिक ~~विकास~~ कानून सभी रा० वि० के विषय हैं और केवल यही सब भारत देश ~~के~~ लो प्र के कार्यों तथा पद्धतियों के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

अध्ययन के कुछ ऐसे क्षेत्र जैसे- लोकनीति, तुलनात्मक संविधान और स्थानीय स्वशासन ~~भी~~ रा० वि० और लो प्र० दोनों के लिए है। कार्यपालिका, विधायिका तथा प्रशासन परस्पर जुड़ी हुए गतिशील प्रणाली है। लो० प्र० के अध्ययन का प्रमुख ध्यान केवल नीति निर्माण पर नहीं है बल्कि रा० दलों, दबाव समूहों और जनमत आदि पर भी है। लो प्र० के शोधकर्ताओं ने रा० वि० की पद्धतियों और तकनीकों को व्यापक रूप से ग्रहण किया है। रा० वि० और लो० प्र० का संबंध इतना निकट है कि इन्हें एक ही सिक्के के दो पहलू कहा जा सकता है।

Scanned with CamScanner